साहसिक शिविर से लौटे हकेंवि के स्वयंसेवक

महेंद्रगढ़ में बुधवार को साहसिक शिविर में प्रतिभागिता करने वाले स्वयंसेवक समकुलपति प्रो. सुषमा यादव के साथ। -हप्र

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के 5 स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 10 दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली द्वारा मैक्लोडगंज, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित इस शिविर में विश्वविद्यालय के अमरदीप, अमन, काजल, निकिता एवं कुसुम ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वयंसेवकों को शिविर के सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियां उनके सर्वांगीण कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात कर उनके अनुभवों को जाना। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने चट्टानों पर चढ़ना, कृत्रिम दीवार पर चढ़ना, रैपलिंग, जुमारिंग, ट्रिउंड ट्रैकिंग, जिपलाइनिंग इत्यादि गतिविधियों में हिस्सा लिया।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 30 November 2023
https://epaper.dainiktrib

दस दिवसीय साहसिक शिविर में स्वयंसेवकों ने लिया हिस्सा

शिविर में प्रतिभागिता करने वाले स्वयंसेवक समकुलपति के साथ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पांच स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली द्वारा मैक्लोडगंज, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित इस शिविर में विश्वविद्यालय के अमरदीप, अमन, काजल, नीकिता एवं कुसुम ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वयंसेवकों को शिविर को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियां उनके सर्वांगीण कौशल विकास के लिए महत्त्वपूर्ण होती हैं।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात कर उनके अनुभवों को जाना और कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मददगार साबित होंगे।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने चट्टानों पर चढ़ना, कृत्रिम दीवार पर चढ़ना, रैपलिंग, जुमारिंग, ट्रिउंड ट्रैकिंग व जिपलाइनिंग इत्यादि गतिविधियों में हिस्सा लिया। इन गतिविधियों का उद्देश्य स्वयंसेवकों के बीच आत्मनिर्भरता, नेतृत्व गुणों और टीम वर्क के प्रति जागरूक करना था ताकि वह किसी भी आपदा में मित्र बनकर खुद के साथ साथ सभी के लिए मददगार साबित हो सकें।

केंद्रीय विवि के स्वयंसेवकों ने साहसिक शिविर में लिया हिस्सा

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली द्वारा मैक्लोडगंज, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित इस शिविर में विश्वविद्यालय के अमरदीप, अमन, काजल, नीकिता एवं कुसुम ने हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात कर उनके अनुभवों को जाना और कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों के लिए मददगार साबित होंगे। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने चट्टानों पर चढ़ना, कृत्रिम दीवार पर चढ़ना, रैपलिंग, जुमारिंग, ट्रिउंड ट्रैकिंग, जिपलाइनिंग इत्यादि गतिविधियों में हिस्सा लिया। इन गतिविधियों का उद्देश्य स्वयंसेवकों के बीच आत्मनिर्भरता, नेतृत्व गुणों और टीम वर्क के प्रति जागरूक करना था ताकि वह किसी भी आपदा में आपदा मित्र बनकर खुद के साथ साथ सभी के लिए मददगार साबित हो सकें।

हकेवि के स्वयंसेवकों ने साहसिक शिविर में लिया हिस्सा

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पांच स्वयंसेवको ने हरियाणा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली द्वारा मैक्लोडगंज, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित इस शिविर में विश्वविद्यालय के अमरदीप, अमन, काजल, नीकिता एवं कुसुम ने हिस्सा लिया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वयंसेवकों को शिविर के सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यार्थी गतिविधियां उनके सर्वांगीण कौशल विकास के लिए महत्त्वपूर्ण होती हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात कर उनके अनुभवों को जाना और कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मददगार साबित होंगे। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवको ने चट्टानों पर चढ़ना, कृत्रिम दीवार पर चढ़ना, रैपलिंग, जुमारिंग, ट्रिउंड ट्रैकिंग, जिपलाइनिंग इत्यादि गतिविधियों में हिस्सा लिया। नेतृत्व गुणों और टीम वर्क के प्रति जागरूक करना था ताकि वह किसी भी आपदा में आपदा मित्र

कार्यशाला में पांच देशों के 110 प्रतिभागी हुए सम्मिलित

अनुसंधान लेखन व प्रकाशन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

- हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे। कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोट्सॅमाउथ विवि, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रो अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रो क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रो जस्टिन पॉल, प्यूटारे रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रो पीके कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रो गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया।

महेंद्रगढ़। पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में विमर्श करते विशेषज्ञ।

अनुभवों को साझा किया

कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने आयोजन के लिए समूची आयोजन समिति को बधाई दी।

हकेवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़, 28 नवंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए।

दैनिक ट्रिब्यून Wed http

हकेवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे। कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोट्र्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रोफेसर क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रोफेसर पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रोफेसर गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग।

इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें शोध के विभिन्न प्रकार क्या हैं। और साहित्य समीक्षा कैसे लिखें।

कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरूआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने इस आयोजन के लिए समूची आयोजन समिति को बधाई दी।

हकेवि में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, 24 नवम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत अंतिम दिन शुक्रवार को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन व निर्देशन में डिजिटल युग में पुस्तकालय का महत्त्व विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र व आयोजक।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ में आयोजित इस कार्यक्रम में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने संदेश के माध्यम से राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के सफल आयोजन के लिए पुस्तकालय टीम को बधाई दी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजीव वशिष्ठ ने बताया कि आज के डिजिटल युग में लेखन कौशल और रचनात्मकता को बेहतर बनाने के लिए पुस्तकालयों का उपयोग कैसे किया जाए। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किये। उन्होंने विषय के संबंध में अपना दृष्टिकोण प्रतिभागियों से साझा किया। कार्यक्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आज की पीढ़ी के लिए पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला। अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय तथा अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्नेहसता कार्यक्रम में निर्णायकों के रूप में उपस्थित रहे। निबंध लेखन प्रतियोगिता में श्वेता राठी ने प्रथम, हृषिकेश प्रधान ने द्वितीय तथा रक्षित राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

नवोदय टाइम्स Sat, 25 November 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/73970208

हकेवि में निबंध लेखन स्पर्धा का आयोजन

महेंद्रगढ़, 24 नवंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन व निर्देशन में डिजिटल युग में पुस्तकालय का महत्त्व विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने संदेश के माध्यम से राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के सफल आयोजन के लिए पुस्तकालय टीम को बधाई दी। कार्यक्रम के समन्वयक एवं उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने बताया कि आज के डिजिटल युग में लेखन कौशल और रचनात्मकता को बेहतर बनाने के लिए पुस्तकालयों का उपयोग कैसे किया जाए। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किये। इस मौके पर डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. स्नेहसता मौजूद रहे। निबंध स्पर्धा में श्वेता राठी ने प्रथम, ह्रषिकेश प्रधान ने द्वितीय तथा रक्षित राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में श्वेता राठी अव्वल

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत अंतिम दिन शुक्रवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन व निर्देशन में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के सफल आयोजन के लिए पुस्तकालय टीम को बधाई दी।

कार्यक्रम के समन्वयक एवं उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने बताया कि आज के डिजिटल युग में लेखन कौशल और रचनात्मकता को बेहतर बनाने के लिए पुस्तकालयों का उपयोग कैसे किया जाए। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आज की पीढ़ी के लिए पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में श्वेता राठी ने प्रथम, हृषिकेश प्रधान ने द्वितीय व रक्षित राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

UGC chief flags faculty shortage in institutions

RADHIKA PASRIJA
TRIBUNE NEWS SERVICE

Says 80% vacancies taking toll on quality of education

CHANDIGARH, NOVEMBER 23

UGC Chairman Prof Mamidala Jagadesh Kumar has highlighted the distressed situation of higher education institutions as far as faculty recruitment is concerned.

"There are over 80 per cent vacancies of teaching faculty in HEIs due to which the quality of education has gone for a toss. We do not have enough teachers to promote research and innovation, which is the need of the hour," he said, while interacting with mediapersons on the second day of the two-day vice-chancellors' conference at Panjab University.

He said students had been eagerly waiting for the implementation of NEP 2020 in their respective institutions. Talking about inclusion of regional languages and history, he said, "An apex committee has been formed for the availability of textbooks in every language and experts have been identified

RESEARCH HIT TOO

"We do not have enough teachers to promote research and innovation, which is the need of the hour."

– Prof Mamidala Jagadesh Kumar, UGC CHIEF

portal. NEP reforms focus on permitting students to attempt exams in their local language to allow them to express better."

Responding to *Chandigarh Tribune* query related to the fake universities and bogus certificates, he said, "It is a serious problem and we have been warning the state governments against the mushrooming of such institutions. The academic bank of credits is an initiative of the MoE where students and employ-

रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़, 23 नवम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 20 से 24 नवम्बर तक आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन व निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में 20 टीमों ने प्रतिभागिता की। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने संदेश के माध्यम से कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने भावनाओं की अभिव्यक्ति में रंगों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने कार्यक्रम का संचालन किया और बताया कि कैसे रंग जीवन को व्यवस्थित करने और जीवन को सुव्यवस्थित रखने में मदद करते हैं। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम बताए। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग से डॉ. रेनू और शिक्षा विभाग से श्री दिलीप पटेल ने निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। इस रंगोली प्रतियोगिता में नेहा व मनोरमा की टीम प्रथम, अंकिता व मोनालिसा की टीम द्वितीय तथा आद्या, नेत्रशा व मीना कुमारी की टीम तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

नवोदय टाइम्स Fri, 24 November 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/7

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन शिक्षकों की भूमिका अहम : दत्तात्रेय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

एक साधारण शिक्षक बच्चों को केवल पढ़ाता हैं लेकिन एक अच्छा शिक्षक अच्छे मानव को तैयार करता है, जबकि श्रेष्ठ शिक्षक अपने हासिल किए गए अनुभवों और बहुआयामी ज्ञान से प्रतिभावान एवं चरित्रवान नई पीढ़ी का निर्माण करता है। यह गरिमापूर्ण उद्गार हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बृहस्पतिवार को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में नई शिक्षा नीति-2020 के विषय पर आयोजित कुलपतियों के सम्मेलन में प्रकट किए। उन्होंने ने कहा कि आज भारत 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक नई व्यवस्थाएं बना रहा है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के आधार स्तंभों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक समावेशी और प्रेरक नीति है, जिसका उद्देश्य भारत में

कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलित करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

रोजगार क्षमता से उद्यमिता की ओर बदलाव को दर्शाती है और यह नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी पैदा करने वालों को आगे बढ़ाने का प्रयास करती है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक उत्कृष्ट नीति है क्योंकि इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को समग्र, लचीला, बहु-विषयक बनाना हैं। 21वीं सदी की आवश्यकता और गरीबी उन्मूलन

पीयू में यूजीसी अध्यक्ष एम जगदीश बोले-

देशभर में खुलेंगे पांच हजार कौशल केंद्र, हुनरमंद बनेंगे युवा

सम्मेलन के दौरान चर्चा में शामिल वीसी प्रो. रेणु विग व अन्य गण्यमान्य। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए उत्तरी क्षेत्र के कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन वीरवार को समाप्त हुआ। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए यूजीसी अध्यक्ष एम जगदीश ने कहा कि देशभर में 5000 कौशल केंद्र खोले जाएंगे ताकि युवा कौशल सीखकर आजीविका कमा सकें।

सम्मेलन में ऑनलाइन शिक्षा को ऑफलाइन शिक्षा की तरह मजबूत बनाने तथा इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने, केस स्टडी और व्यावहारिक कार्य के माध्यम से अनुभवात्मक सीखने और प्रशिक्षण पर जोर दिया। पंजाब विश्वविद्यालय के लॉ ऑडिटोरियम में पॉवर-पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से सभी विषयगत सत्रों में आयोजित चर्चाओं पर सामूहिक विचार-मंथन किया। एम. जगदीश कुमार ने बताया कि कौशल विकास कर युवा सशक्त बनेंगे और स्वरोजगार शुरु कर सकेंगे।

दस सत्रों के अतिरिक्त दो विशेष सत्र भी आयोजित किए गए। पहला सत्र एनईपी सारथी पर केंद्रित रहा। इसमें प्रो. एम जगदीश कुमार ने उत्तरी क्षेत्र के 8 विश्वविद्यालयों के 33 प्रतिनिधि-विद्यार्थियों के साथ सार्थक संवाद किया।

Dignitaries at a conference on NEP 2020 at Panjab University, Chandigarh. TRIBUNE PHOTO: VICKY

At VCs' meet, UGC chief says zeal to implement NEP visible

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, NOVEMBER 22

The two-day northern zone vice-chancellors' conference on the implementation of NEP-2020 commenced at Panjab University (PU) today. The event is being organised by PU in collaboration with the University Grants Commission (UGC) and the Central University of Haryana (CUH).

The welcome address was delivered by PU Vice-Chancellor Prof Renu Vig, who said the university was taking all necessary measures to implement the policy from the forthcoming session.

CUH Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar outlined the fact that outcome-based education was the prime objective of the NEP. "The policy aims at making our students employers, not job-seekers," he said.

The opening remarks by UGC chairman Prof Mamidala Jagadesh Kumar emphasised that zeal among students as well as institutions to introduce the NEP was visible. "Students are ready to experiment with multiple entry and exit options and opt for multidisciplinary courses, but our rigid education system is not," he said. It was important to allow the NEP to seep into our education ecosystem to be socially and culturally progressive, he added.

The inaugural address was delivered by Haryana Governor Bandaru Dattatreya, who highlighted the importance of technology, innovation and research, and adapting oneself to the changing times. "Students do not take outdated faculty seriously," he said mockingly. The implementation of the NEP was important to achieve the objective of "Atmanirbhar Bharat", he added.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी आयोजकों के साथ।

महेंदगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 20 से 24 नवम्बर तक आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता सरीखे आयोजन विद्यार्थियों की तार्किक शक्ति के विकास में मददगार होते हैं। शिक्षा पीठ के सम्मेलन कक्ष में यह वाद-विवाद प्रतियोगिता 'क्या आज की पीढ़ी किताबें पढ़ती हैं' विषय पर आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने संदेश के माध्यम से आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम के समन्वयक व सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने लेखन कौशल व रचनात्मकता के विकास हेतु किताबें पढ़ने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनिता मलिक ने प्रतियोगिता के नियम प्रतिभागियों के साथ साझा किए। उन्होंने बताया कि किताबें कैसे पाठकों में एकाग्रता व शब्दावली को विकसित करती हैं। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने पुस्तकों के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

पंजाब विश्वविद्यालय 2 दिवसीय सम्मेलन में बोले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने को एकजुट होकर करने होंगे प्रयास

पंजाब विश्वविद्यालय के लॉ ऑडिटोरियम में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। -विक्की

मनीमाजरा (चंडीगढ़), 22 नवंबर (हप्र)

पंजाब विश्वविद्यालय की मेज़बानी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के महत्वपूर्ण विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन बुधवार को लॉ ऑडिटोरियम में शुरू हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करना है। सम्मलेन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कुलपति प्रोफेसर रेणु विग ने पंजाब विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास का परिचय देते हुए 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के क्रियान्वयन के सन्दर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा उठाये गए महत्वपूर्ण प्रयासों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' सत्र 2023 - 24 से लागू कर दी गयी है तथा पंजाब विश्वविद्यालय से सम्बंधित कॉलेजों में यह अगले सत्र से लागू कर दी जायेगी।

इसके बाद, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित किया। इस सम्मलेन में उत्तरी क्षेत्र के लगभग 240 उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। यूजीसी अध्यक्ष प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने विद्यार्थियों के लिए एनईपी के सर्वोच्च महत्व पर जोर दिया और विश्वविद्यालयों में इसके तेजी से कार्यान्वयन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर एनईपी से संबंधित यूजीसी की पहलों को प्रदर्शित करने वाली एक लघु फिल्म भी प्रस्तुत की गई। उद्घाटन भाषण हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा दिया गया, जिसमें व्यापक शैक्षिक परिदृश्य में एनईपी 2020 के महत्व पर गहन परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आमंत्रित बुद्धिजीवियों तथा हितधारकों का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को उसकी मूल भावना के साथ लागू करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें । कार्यक्रम का समापन पंजाब विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी इंस्ट्रक्शन की डीन प्रोफेसर रुमिना सेठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी आयोजकों के साथ ● जागरण

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 20 से 24 नवम्बर तक आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता सरीखे आयोजन विद्यार्थियों की तार्किक शक्ति के विकास में मददगार होते हैं।

शिक्षा पीठ के सम्मेलन कक्ष में यह वाद-विवाद प्रतियोगिता 'क्या आज की पीढ़ी किताबें पढ़ती हैं' विषय पर आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने संदेश के माध्यम से आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

कार्यक्रम के समन्वयक व सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने लेखन कौशल व रचनात्मकता के विकास हेतु किताबें पढ़ने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डा. विनीता मलिक ने प्रतियोगिता के नियम प्रतिभागियों के साथ साझा किए। उन्होंने बताया कि किताबें कैसे पाठकों में एकाग्रता व शब्दावली को विकसित करती है।

यूजीसी केयर लिस्ट अधिकार कमेटी गठित हकेवि समकुलपति प्रो. सुषमा बनीं अध्यक्ष

कमेटी में शामिल किए 11 सदस्य जो विभिन्न विवि के कुलपति व निर्देशक

आनंद शर्मा | महेंद्रगढ़

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शोध कार्यों में गुणवत्ता व पारदर्शिता के लिए यूजीसी केयर लिस्ट अधिकार कमेटी का गठन किया है। कमेटी के 11 सदस्य जो विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति व निर्देशक हैं।

कमेटी अध्यक्ष की जिम्मेदारी हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव को दी गई है। प्रो. यादव ने बताया कि शोध में गुणवत्ता व नैतिकता का स्तर गिर रहा था। शोध पत्रों के प्रकाशन का कार्य इसलिए बढ़ गया क्योंकि प्रमोशन, नियुक्तियों, अकादमी समितियों की सदस्यता, शोध डिग्री के पुरस्कार में ये अहम भूमिका अदा करते हैं। कमेटी का उद्देश्य अच्छी पत्रिकाओं की पहचान के लिए दृष्टिकोण व सही पद्धति को विकसित करना है। मुख्यालय पुणे में है। हर 3 महीने में कमेटी की बैठक का होना जरूरी है। यूजीसी केयर लिस्ट की सूची की पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों को ही उपयुक्त माना जाएगा।

सूची में शामिल होने के लिए ऑनलाइन करें आवेदन

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव

प्रो. सुषमा यादव के अनुसार कमेटी ने प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कार्य प्रणाली को पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण चार क्षेत्रों में बांटा है। यूजीसी केयर लिस्ट में शामिल होने के लिए https://ugccare.unip une.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। उसके बाद संबंधित क्षेत्र के नोडल अधिकारी के पास आपका आवेदन जाएगा और उस विषय के लिए नियुक्त विशेषज्ञ व शिष्टाचार पालना की स्वीकृति के बाद पत्रिका को सूची में शामिल किया जाएगा। आवेदन रद्द होने पर स्पष्टीकरण भी आप कमेटी से प्राप्त कर सकते हैं यह प्रक्रिया भी शुरू की गई है। अंग्रेजी भाषा की पत्रिकाओं का आकलन आसान है, लेकिन टीम ने क्षेत्रीय भाषा की पत्रिकाओं के आकलन को आसान करने पर जोर दिया है। इसकी विश्वसनीयता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यूजीसी केयर सूची के लिए बनाए गए जोन

1. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, (उत्तरी क्षेत्र), चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड।
2. एम.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ोदा, (पश्चिमी क्षेत्र) छत्तीसगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र।
3. हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (दक्षिणी क्षेत्र) अंडमान और निकोबार, आंध प्रदेश, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, पुदुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना।
4. तेजपुर विश्वविद्यालय, असम (पूर्वी क्षेत्र) अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, सिक्किम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल।

• पीयू में एनईपी पॉलिसी को लेकर नॉर्थ जोन वीसी कॉन्फ्रेंस शुरू, 240 यूनिवर्सिटी से पहुंचे वीसी

एनईपी लागू करें, पर अपने मौजूदा सिस्टम को भी रिव्यू करें, देश भर से आती हैं शिकायतें: कुमार

एजुकेशन रिपोर्टर | चंडीगढ़

नई एजुकेशन पॉलिसी हमारे देश के एजुकेशन सिस्टम में ठीक वैसे ही है, जैसे अंधेरी सुरंग के अंदर कोई रोशनी की किरण दिखाई दे रही हो। साल 2047 तक भारत को विकसित देश के रूप में डेवलप करने के लिए बहुत जरूरी है कि इसे पूरी तरह लागू किया जाए। यह ताकीद की यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन के अध्यक्ष मामिदाला जगदीश कुमार ने।

पंजाब यूनिवर्सिटी में शुरू हुई वाइस चांसलरों की नॉर्थ जोन मीटिंग को संबोधित करते हुए कुमार ने सभी एजुकेशनिस्ट को राय दी कि वे अपने मौजूदा सिस्टम को भी परख लें। एक और भारतीय यूनिवर्सिटीज नई एजुकेशन पॉलिसी लागू करने की तैयारी में है, तो दूसरी ओर रोजाना उनके पास देश के सभी हिस्सों से शिकायतें आती हैं कि पेपर सही समय पर नहीं हुए या रिजल्ट नहीं निकले। कहा कि इस बात पर ध्यान देना बहुत जरूरी है कि एकेडमिक कैलेंडर शब्द ब शब्द लागू हो। पढ़ाने की तिथियां, पेपर लेने की तिथियां और रिजल्ट निकालने की डेट पर यूनिवर्सिटीज को पूरी तरह काम करना होगा।

विकिसित देश बनना है तो तकनीक भारत में ही बनानी होगी...

जगदीश ने कहा एनईपी लागू करने के लिए बहुत चैलेंज हैं। इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर चैलेंज है, फैकल्टी की कमी है और रिसर्च के लिए इकोसिस्टम की कमी है, लेकिन इस समय इंस्टीट्यूट की अध्यक्षता कर रहे कुलपतियों और डायरेक्टर्स की जिम्मेदारी है कि वह अपनी फैकल्टी और स्टूडेंट्स को एनईपी का रोड मैप दिखाएं। 2047 तक अगर भारत को विकसित देश के रूप में उभरना है तकनीक भारत में ही बनानी होगी। यूजीसी चेयरमैन ने कहा स्टूडेंट्स को क्लास तक लाने के लिए जरूरी है कि टीचर अब मेंटोर की भूमिका अदा करें। उनके लिए एक्सपीरिएंशियल लर्निंग जरूरी है। कुछ वह तभी कर पाएंगे जब उनके हैंड्स ऑन ट्रेनिंग होगी। मल्टी डिसिप्लनरी एजुकेशन पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश की बड़ी समस्याओं का हल इसी से निकलेगा। एनईपी को लेकर यूजीसी के इनीशिएटिव पर वीडियो दिखाया गया। हरियाणा के गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय इसके मुख्य अतिथि रहे।

• 10 ग्रुप के बीच इन मुद्दों पर होगा डिस्कशन...

सेशन	विषय	चेयरपर्सन
ग्रुप एक	मल्टीडिसिप्लनरी एंड होलिस्टिक एजुकेशन	जीजीइस इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. महेश वर्मा
ग्रुप दो	डिजिटल एंपावरमेंट एंड ऑनलाइन एजुकेशन	सेंट्रल यूनिवर्सिटी पंजाब के वीसी प्रो. राघवेंद्र पी तिवारी
ग्रुप तीन	स्किल डेवलपमेंट एंड एम्प्लायबिल्टी	श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी पलवल के वीसी प्रो. राज नेहरू
ग्रुप चार	रिसर्च, इनोवेशन एंड इंटरप्रिनियोरिशप	गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. दिनेश कुमार
ग्रुप पांच	कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ टीचर्स फॉर क्वालिटी एजुकेशन	निट्टर चंडीगढ़ के डायरेक्टर प्रो. भोला राम गुर्जर
ग्रुप छह	गवर्नेंस एंड एटॉनमी	चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी भिवानी के वीसी प्रो. राज कुमार मित्तल
ग्रुप सात	एक्रीडिटेशन एंड एक्सीलेंस	हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी शिमला के वीसी प्रो. वीके शिवराम
ग्रुप आठ	इक्विटेबल एंड इंक्लूसिव एजुकेशन	चितकारा यूनिवर्सिटी राजपुरा की वीसी प्रो. अर्चना मंत्री
ग्रुप नौ	इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड इंडियन लैंग्वेज	श्री लाल बहादुर शास्त्री नेशनल संस्कृत यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. तारकेश्वर नाथ
ग्रुप 10	इंटनेशनलाइजेशन ऑफ एजुकेशन	हायर एजुकेशन काउंसिल हरियाणा के चेयरमैन प्रो. केसी शर्मा

• वीसी रेनू ने यूनिवर्सिटी के सफर और एनईपी के प्रयास पर कही बात

वाइस चांसलर प्रो. रेनू विग ने अपनी यूनिवर्सिटी कालाहौर से लेकर अब तक का सफर बताते हुए नई एजुकेशन पॉलिसी को लेकर किया जा रहे प्रयास के बारे में बताया। कार्यक्रम की सह मेजबानी कर रही सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा के वाइस चांसलर प्रो. टांकेश्वर कुमार ने कहा कि स्टूडेंट पढ़कर निकले और वह काम करने या जॉब के लायक हो इसमें नई एजुकेशन पॉलिसी सबसे बड़ा फायदा हो सकती है। जो भी इंस्टीट्यूट से लागू करने में देरी कर रहे हैं वह अपने युवा वर्ग का नुकसान कर रहे हैं। इसके बाद खीरवार को होने वाले सेशन पर बात की गई, जिसकी रिपोर्ट यूजीसी को सब्मिट की जाएगी। 10 ग्रुप के सेशन के बाद सभी चेरपर्सन अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और फिर प्रश्न उत्तर का दौर भी चलेगा।

• चेयरमैन ने शाम को वीसी के साथ किया क्वेश्चर आंसर राउंड

देर शाम अध्यक्ष जगदीश कुमार के साथ अलग-अलग यूनिवर्सिटी से आए वीसी का क्वेश्चन आंसर राउंड रखा गया था। इसमें ज्यादातर वीसी के सवाल इंट्रडिसीप्लिनरी को लेकर थे। करीब 9 क्वेश्चन पूछे गए, जिनका जवाब देते हुए कुमार ने समझाया कि इंट्रडिसीप्लिनरी कोर्स के दौरान स्टूडेंट की इच्छा के अनुसार यूनिवर्सिटी को उसे कोर्स करवाना है, लेकिन इसका क्राइटेरिया तय करने का डिसीजन यूनिवर्सिटी का अपना है। अगर कोई बीए का स्टूडेंट एमएससी केमिस्ट्री करना चाहता है और वह कुछ क्रेडिट केमिस्ट्री के कर चुका है तो उसको एंट्रेंस टेस्ट देना होगा। अगर एंट्रेंस टेस्ट देने के बाद भी यूनिवर्सिटी को लगता है कि उसे स्टूडेंट की पढ़ाई पूरी नहीं है और उसे केमिस्ट्री के कुछ कोर्स और करने की जरूरत है तो ब्रिज कोर्स करने की जिम्मेदारी यूनिवर्सिटी की है। ऐसी ही परमिशन सभी कोर्सेज के लिए है।

• पुटा ने यूजीसी चेयरमैन को सौंपा मेमोरंडम

पंजाब यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (पुटा) के प्रेसिडेंट अमरजीत सिंह नौरा, सेक्रेटरी मृत्युंजय कुमार और अन्य मेंबर्स ने पीयू में आए यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के चेयरमैन जगदीश कुमार को मेमोरेंड सौंप कर उनसे डिमांड की है कि केंद्र सरकार से 294.18 करोड़ रुपए की रकम ग्रांट के तौर पर उपलब्ध कराएं। पीयू के स्टाफ का वेतनमान तो 2022 में बढ़ा दिया गया है, लेकिन 2017 से लागू इस योजना का एरियर भी बकाया है। लॉ ऑडिटोरियम में चल रहे प्रोग्राम के दौरान ही उन्होंने ये डिमांड की है। उल्लेखनीय है कि इस डिमांड को लेकर टीचर्स का एक ग्रुप करीब 120 से धरना दे रहा है।

विभागों के 70 विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की

पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 20 से 24 नवम्बर तक आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के तहत मंगलवार को पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कैसे किताब और रंग जीवन को व्यवस्थित करने और जीवन को व्यवस्थित रखने में मदद करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लोग किताबों को उसके कवर से आंकते हैं। उन्होंने बताया कि किताब के कवर का चित्र, उसका फोंट व रंग सबसे पहले पाठकों का ध्यान आकर्षित करता है इसलिए किताब के कवर का डिजाइन का सुंदर व आकर्षक होना आवश्यक है।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष ने अपने संदेश के माध्यम से अपनी आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। आयोजन की समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डा. विनीता मलिक ने कहा कि पुस्तक का कवर केवल सजावट का तरीका नहीं है। इसमें पुस्तक की कहानी का सारांश भी होता है। पुस्तक का कवर पाठकों को आकर्षित करने में बहुत मददगार होता है। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 70 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए।

शोधार्थियों को बुकमार्क डिजाइन का महत्व बताया

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को बुकमार्क डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजित की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 60 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने संदेश के माध्यम से आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। समन्वयक व सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनिता मलिक ने बुकमार्क का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि मार्कर कैसे पाठक का समय बचाते हैं। विश्वविद्यालय के उपपुस्ताकलयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत कराया। संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने किया। इस मौके पर सूचना विज्ञान विभाग के डॉ. श्रीराम पांडे, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग से डॉ. स्वाति चौधरी आदि मौजूद थे।

हकेंवि समकुलपति प्रो. सुषमा यादव को मिला इनस्पा अवॉर्ड

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्व विद्यालय की समकुलपति प्रो. (डा.) सुषमा यादव को एक कुशल शैक्षणिक प्रशासक के रूप में संवेदनशीलता के साथ उल्लेखनीय कार्य करने हेतु प्रो. देवेन्द्र के. चौधरी इनस्पा स्कूल साईक्लॉजी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय में आयोजित 13 वें इनस्पा इंटरनेशल कांफ्रेंस में प्रदान किया गया यह अवॉर्ड प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव ने बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें सौंपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान एक शिक्षक व शैक्षणिक प्रशासक के रूप में उल्लेखनीय है।

सम कुलपति प्रो. सुषमा को मिला इनस्पा अवार्ड

प्रो .टंकेश्वर कुमार को अवार्ड सौंपते हुए सम कुलपति प्रो .सुषमा य प्रवक्ता ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. (डा.) सुषमा यादव को एक कुशल शैक्षणिक प्रशासक के रूप में संवेदनशीलता के साथ उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रो. देवेन्द्र के. चौधरी इनस्पा स्कूल साइक्लाजी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी मेघालय में आयोजित 13वें इनस्पा इंटरनेशल कांफ्रेंस में प्रदान किया गया यह अवार्ड प्रो. (डा.) सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें सौंपा। प्रो. यादव का योगदान एक शिक्षक व शैक्षणिक प्रशासक के रूप में उल्लेखनीय है। प्रो. (डा.) सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।प्रो. सुषमा यादव ने इंडियन स्कूल साईक्लाजी एसोसिएशन इनस्पा के अध्यक्ष डा. पंच रामालिंगम और किरण देवेन्द्र चौधरी के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव को इनस्पा अवॉर्ड से नवाजा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव को एक कुशल शैक्षणिक प्रशासक के रूप में संवेदनशीलता के साथ उल्लेखनीय कार्य करने हेतु प्रो. देवेंद्र के. चौधरी इनस्पा स्कूल साइकोलॉजी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय में आयोजित 13वें इनस्पा इंटरनेशल कांफ्रेंस में प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड प्रो. डॉ. सुषमा यादव ने बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें सौंपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान एक शिक्षक व शैक्षणिक प्रशासक के रूप में उल्लेखनीय है। प्रो. डॉ. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता जताई और कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

हकेंविवि के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार को अवॉर्ड सौंपते सम कुलपति। स्रोत : विवि

उन्होंने कहा कि यह विवि के लिए बहुत ही गौरव की बात है। इससे यहां पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी काफी मोटिवेशन मिलेगा। उन्होंने कहा कि विवि लगातार आगे बढ़ता रहे इसके सभी को और बेहतर करना होगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया शोध भ्रमण

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने समाजशास्त्रीय अनुसंधान के व्यावहारिक अनुप्रयोगों की समझ विकसित करने के उद्देश्य से चरखी दादरी के चिडिय़ा गांव का शोध भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। इस शोध भ्रमण से अवश्य ही प्रतिभागियों को विषय की व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने में मदद मिली होगी।यह शोध भ्रमण विभाग के सहायक आचार्य डॉ. टी. लोंग्कोई, डा. युधवीर जैलदार, डा. रीमा गिल व सुश्री तन्वी भाटी के निर्देशन में हुआ। इस अनुसंधान भ्रमण का उद्देश्य जाति संबंधों, सामाजिक व आर्थिक संरचनाओं, लैंगिक गतिशीलता, कृषि प्रथाओं और ग्रामीण समाज के बदलते सांस्कृतिक मानदंडों के विभिन्न पहलुओं को जानना-समझना था। इस शोध यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनके जीवन, आकांक्षाओं और संघर्ष के बारे में जाना। इससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इससे उनमें न केवल समाजशास्त्रीय अवधारणाओं की समझ विकसित हुई बल्कि उन्हें शोध प्रक्रिया के वास्तविक उपयोग की जानकारी भी मिली। समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य व शोध भ्रमण के संयोजक डा. युद्धवीर जेलदार ने कहा कि क्षेत्रीय शोध समाजशास्त्र का एक अभिन्न हिस्सा है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया शोध भ्रमण

शोध भ्रमण के दौरान शिक्षक व विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़, 9 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने समाजशास्त्रीय अनुसंधान के व्यावहारिक अनुप्रयोगों की समझ विकसित करने के उद्देश्य से चरखी दादरी के चिड़िया गाँव का शोध भ्रमण किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस शोध भ्रमण से अवश्य ही प्रतिभागियों को विषय की व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने में मदद मिली होगी।

यह शोध भ्रमण विभाग के सहायक आचार्य डॉ. टी. लोंग्कोई, डॉ. युधवीर जैलदार, डॉ. रीमा गिल व सुश्री तन्वी भाटी के निर्देशन में हुआ। इस अनुसंधान भ्रमण का उद्देश्य जाति संबंधों, सामाजिक व आर्थिक संरचनाओं, लैंगिक गतिशीलता, कृषि प्रथाओं और ग्रामीण समाज के बदलते सांस्कृतिक मानदंडों के विभिन्न पहलुओं को जानना-समझना था। इस शोध यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनके जीवन, आकांक्षाओं और संघर्ष के बारे में जाना। इससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य व शोध भ्रमण के संयोजक डॉ. युधवीर जैलदार ने कहा कि क्षेत्रीय शोध समाजशास्त्र का एक अभिन्न हिस्सा है। बताया कि इस शोध भ्रमण में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों सहित कुल 28 सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

नवोदय टाइम्स Fri, 10 November 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/73868

'सामाजिक चेतना पैदा करने का काम कर सकते हैं मीडियाकर्मी'

पत्रकारिता व जनसंचार विभाग में फिल्म स्क्रीनिंग एवं व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 8 नवम्बर (परमजीत, मोहन) : हरियाणा। केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से अनुच्छेद 370 और 35(ए) के निरस्त होने के बाद 'जस्टिस डिलेड बट डिलीवर्ड' नामक एक फिल्म की स्क्रीनिंग और चर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत जैसे देश में सामाजिक व समसमायिक विषयों पर समाज में चेतना पैदा करने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार से जुड़े विद्यार्थियों को निरंतर कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने से पूर्व व उसके बाद की स्थिति को यह फिल्म ब्यां करती है। इस तरह की फिल्में समाज व लोगों के जीवन में आ रहे बदलावों को समझाने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होती है। फिल्म निर्देशक और क्रिएटिव डायरेक्टर ट्रैवल एक्सपी श्री कामाख्या नारायण सिंह ने कहा कि जस्टिस डिले बट डिलिविरड एक यथार्थ फिल्म है जो भारतीय समाज के हिस्से व जम्मू कश्मीर की सच्चाई को ब्यां करती है। उन्होंने कहा विद्यार्थियों को सामाजिक विषयों पर निरंतर अपनी लेखनी व कैमरा जरूर चलाना चाहिए। इस फिल्म के माध्यम से समाज में हो रहे तुष्टीकरण और भेदभावों को सभी के समक्ष लाने का प्रयास किया गया है। इस मौके पर उन्होंने मीडिया के विद्यार्थियों से फिल्म निर्माण की बुनियादी तकनीक से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में जो कुछ भी हम देख रहे हैं, उससे अलग एक तथ्य छुपा हुआ है और फिल्म निर्माता होने के नाते यह हमारा दायत्व था कि इस तरह की घटना को हम दुनिया के सामने लेकर आए। इस अवसर पर बोलते हुए जम्मू-कश्मीर मुद्दों के विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह चैहान ने कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू कश्मीर के लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। इसके बाद से न केवल जम्मू कश्मीर में विकास कार्यों में तेजी आई है बल्कि आम आदमी का जीवन खुशहाल हुआ है। इस मौके पर उन्होंने अनुच्छेद 370 से जुड़े सभी तथ्यों एवं घटनाओं के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कैसे सामाजिक व समसामयिक विषयों पर फिल्में बनाकर लोगों को जागरूक किया जा सकता है उसके कुछ उदाहरण उन्होंने विद्यार्थियों को सम्मुख प्रस्तुत किए। उन्होंने विभाग के विद्यार्थियों को ग्रामोदय रेडियो के लिए पोडकास्ट तैयार करने का आहवान किया। कार्यक्रम में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अशोक कुमार ने सभी का स्वागत किया। डॉ. सुरेंद्र कुमार ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. विवेक बाल्यान ने सभी का आभार जताया। सभी का परिचय दिया। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि के युवा पर्यटन क्लब ने किया माधोगढ़ किले का शैक्षणिक भ्रमण

महेंद्रगढ़, 8 नवंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों ने माधोगढ़ किले का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य प्रतिभागियों में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छता व पर्यटन के महत्त्व से अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विवि परिसर से हरी झंडी दिखाकर क्लब के सदस्यों को रवाना किया। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के टूरिस्ट इन्फार्मेशन ऑफ़िसर संजय कुमार सचन तथा स्पिरिट ऑफ़ इंडिया हॉलिडे के सीईओ मनोज बाबर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह ने कहा कि विभाग पर्यटन क्षेत्र से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। युवा पर्यटन क्लब के समन्वयक डॉ. विवेक बाल्यान ने बताया कि इस भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को युवा पर्यटन क्लब के सदस्य व शोधार्थी माधवरमन एवं सपना ने माधोगढ़ किले के ऐतिहासिक पक्षों से अवगत कराया। इस अवसर पर संजय कुमार सचन व मनोज बाबर ने विद्यार्थियों को पर्यटन क्षेत्र और भविष्य में पर्यटन क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं बारे जानकारी दी।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 09 November 2023
https://epaper.dainiktribun

सामाजिक चेतना लाते हैं मीडिया कर्मी : टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 8 नवंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से अनुच्छेद 370 और 35 (ए) के निरस्त होने के बाद 'जस्टिस डिलेड बट डिलीवर्ड' नामक एक फिल्म की स्क्रीनिंग की और चर्चा का आयोजन किया। इस मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत जैसे देश में सामाजिक व समसमायिक विषयों पर समाज में चेतना पैदा करने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार से जुड़े विद्यार्थियों को निरंतर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मी समाज में चेतना लाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने से पूर्व व उसके बाद की स्थिति को यह फिल्म ब्यां करती है। इस तरह की फिल्में समाज व लोगों के जीवन में आ रहे बदलावों को समझाने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होती है। फिल्म निर्देशक और क्रिएटिव डायरेक्टर ट्रैवल एक्सपी कामाख्या नारायण सिंह ने कहा कि जस्टिस डिले बट डिलिविरड एक यथार्थ फिल्म है, जो भारतीय समाज के हिस्से व जम्मू-कश्मीर की सच्चाई को ब्यां करती है।

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर मुद्दों के विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह चैहान ने कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू कश्मीर के लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। इसके बाद से न केवल जम्मू कश्मीर में विकास कार्यों में तेजी आई है बल्कि आम आदमी का जीवन खुशहाल हुआ है। इस मौके पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार और डॉ. विवेक बाल्यान मौजूद रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 09 November 2023
https://epaper.dainiktribu

हकेंवि में फिल्म स्क्रीनिंग एवं व्याख्यान

फिल्म निर्माण की बुनियादी तकनीक से विद्यार्थियों को कराया गया अवगत

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से अनुच्छेद 370 और 35(ए) के निरस्त होने के बाद 'जस्टिस डिलेड बट डिलीवर्ड' नामक एक फिल्म की स्क्रीनिंग और चर्चा का आयोजन किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत जैसे देश में सामाजिक व समसमायिक विषयों पर समाज में चेतना पैदा करने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार से जुड़े विद्यार्थियों को निरंतर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने से पूर्व व उसके बाद की स्थिति को यह फिल्म बयां करती है। फिल्म निर्देशक और क्रिएटिव डायरेक्टर ट्रैवल एक्सपी कामाख्या नारायण सिंह ने कहा कि जस्टिस डिले बट डिलिवर्ड एक यथार्थ फिल्म है जो भारतीय समाज के हिस्से व जम्मू-कश्मीर की सच्चाई को बयां करती है। उन्होंने मीडिया के विद्यार्थियों से फिल्म निर्माण की बुनियादी तकनीक से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

जम्मू-कश्मीर मुद्दों के विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। इसके बाद से न केवल जम्मू-कश्मीर में विकास कार्यों में तेजी आई है, बल्कि आम आदमी का जीवन खुशहाल हुआ है। कार्यक्रम में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अशोक कुमार ने सभी का स्वागत किया। डॉ. सुरेंद्र कुमार ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. विवेक बाल्यान ने सभी का आभार जताया। सभी का परिचय दिया। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिविर में 45 यूनिट रक्त किया एकत्रित

कनीना में रक्तदाता को बैज लगाती मुख्य अतिथि ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, कनीना : राजकीय महाविद्यालय कनीना में राष्ट्रीय स्वयंसेवा योजना के तत्वाधान में मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. डा. सुषमा यादव उपस्थित रही। उन्होंने बताया कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं। इससे लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया एनएसएस यूनिट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन कर युवाओं को उनके कर्तव्य के प्रति जागरूक करने का काम किया। इससे दिल की बीमारी तथा दिल के दौरे के खतरे को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर संदीप ककरालिया ने बताया कि रक्तदान शिविर में 45 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के अलावा कई आम लोग भी शामिल हुए। जिला रेडक्रास सोसाइटी से सुनील कुमार, मनोज कौशिक, डाक्टर तमन्ना शर्मा, दीपक वशिष्ठ आदि उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्राचार्य डा. सुरेंद्र सिंह यादव ने सभी स्वयंसेवक का धन्यवाद किया। इस मौके पर डा. विनोद यादव, प्रो. हरिओम, प्रो भारती यादव, प्रो. घनश्याम, डा. यतेंद्र राव, प्रो मंजू, प्रो मनीषा, प्रो. ननिता आदि मौजूद रहे।

हकेवि में कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): जानकी अम्मल की 125वीं जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के अध्यक्ष व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलन कर किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में जानकी अम्मल के व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए उनके चरित्र को आचरण में लाने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम की सह संरक्षक व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने आभासीय माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय की प्रथम महिला व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि जानकी अम्मल अद्भुत व्यक्तित्व की धनी वैज्ञानिक महिला थीं, हम सभी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की विशिष्ट कार्यक्षमता व कार्यशैली महिलाओं को ईश्वर की विशेष देन है। प्रत्येक महिला में देश व समाज के लिए कुछ अच्छा करने की क्षमता है। प्रो. श्रीवास्तव में छात्राओं द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भी सराहना की। डॉ. सुमन रानी ने बताया कि जानकी अम्मल की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय के जानकी अम्मल छात्रावास में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इनमें गीत गायन, एकल नृत्य, रैम्प वॉक, सामूहिक नृत्य के साथ कमरों की साफ-सफाई व पोस्टर मेकिंग व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में प्रो. पायल चंदेल, प्रो. सुशीला, डा. रेनु, डा. सविता बुधवार, डा. मनीष कुमार निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 250 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस आयोजन में मंच का संचालन कविता ने तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन वार्डन डॉ. सुमन रानी ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, प्रो. मनोज कुमार, डॉ. अरुण कुमार सहित विभिन्न शिक्षक भी उपस्थित रहे।

जानकी अम्मल की जयंती पर कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। जानकी अम्मल की 125वीं जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जानकी अम्मल के व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए उनके चरित्र को आचरण में लाने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। विवि समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सभी को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

हकेवि में कार्यक्रम आयोजित

देश रोजाना ब्यूरो, महेंद्रगढ़

जानकी अम्मल की 125वीं जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के अध्यक्ष व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलन कर किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में जानकी अम्मल के व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए उनके चरित्र को आचरण में लाने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम की सहसंरक्षक व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने आभासीय माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय की प्रथम महिला व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि जानकी अम्मल अद्भुत व्यक्तित्व की धनी वैज्ञानिक महिला थीं, हम सभी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रो. श्रीवास्तव में छात्राओं द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भी सराहना की।

डॉ. सुमन रानी ने बताया कि जानकी अम्मल की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय के जानकी अम्मल छात्रावास में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हकेंवि में जानकी अम्मल की जयंती मनाई

महेंद्रगढ़ | जानकी अम्मल की 125वीं जयंती पर हकेंवि, महेंद्रगढ़ में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उन्होंने कहा कि जानकी अम्मल के व्यक्तित्व को आचरण में लाने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि जानकी अम्मल अद्‌भुत व्यक्तित्व की धनी वैज्ञानिक महिला थीं, हम सभी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम की सहसंरक्षक व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शुभकामनाएं प्रेषित की। डॉ. सुमन रानी ने बताया कि जानकी अम्मल की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय के जानकी अम्मल छात्रावास में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इनमें गीत गायन, एकल नृत्य, रैम्प वॉक, सामूहिक नृत्य के साथ कमरों की साफ-सफाई व पोस्टर मेंकिंग व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में प्रो. पायल चंदेल, प्रो. सुशीला, डॉ. रेनु, डॉ. सविता बुधवार, डॉ. मनीष कुमार निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में उपस्थित रहे। संचालन कविता ने किया।

राजभाषा नीति व क्रियान्वयन पर कार्यशाला आयोजित

गृह मंत्रालय के उपनिदेशक कुमार पाल शर्मा रहे उपस्थित

नारनौल, 3 नवम्बर (विजय कौशिक): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ की ओर से राजभाषा नीति एवं क्रियान्वयन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) कुमार पाल शर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय समय-समय कार्यशालाओं के माध्यम से कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का कार्य कर रहा है। कुलपति ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को राजभाषा नीति को समझने व उसके कार्यान्वयन में सहायता मिलेगी। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। तत्पश्चात कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्मृति चिह्न भेंटकर विशेषज्ञ का स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता का परिचय केनरा बैंक, गुरुग्राम के श्री मिहिर मिश्रा ने प्रस्तुत किया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित कुमार पाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में राजभाषा की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। उन्होंने राजभाषा के महत्त्व और उसकी आवश्यकता का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से राजभाषा के प्रति सजगता उपयोगी है। उन्होंने भारत के विकास में भाषा के महत्त्व का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित देशों को देखें तो यह स्पष्ट रूप से सामने आता है कि उनकी उन्नति निज भाषा के प्रचार-प्रसार से हुई है। फिर वो चाहे जर्मनी में जर्मन हो या फ्रांस में फ्रेंच।

कुमार पाल ने राजभाषा के महत्त्व और उसके उपयोग के लिए कार्यशाला में सम्मिलित प्रतिभागियों को प्रेरित किया। अंत में हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि अवश्य ही कुलपति के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ द्वारा दी गई जानकारी से प्रतिभागी नराकास के सदस्य कार्यालय व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

नवोदय टाइम्स Sat, 04 November 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/73823

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
4 Nov 2023

हकेंवि में राजभाषा नीति एवं क्रियान्वयन पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की ओर से राजभाषा नीति एवं क्रियान्वयन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) कुमार पाल शर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। विवि समय-समय कार्यशालाओं से कर्मचारियों को प्रशिक्षण देती रहती है। कुलपति ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को राजभाषा नीति को समझने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता का परिचय केनरा बैंक गुरुग्राम के मिहिर मिश्रा ने प्रस्तुत किया। कुमार पाल सिंह ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में राजभाषा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने राजभाषा के महत्व और उसकी आवश्यकता का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से राजभाषा के प्रति सजगता उपयोगी है। देश के विकास में भाषा के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित देशों को देखें तो यह स्पष्ट रूप से सामने आता है। उनकी उन्नति निज भाषा के प्रचार-प्रसार से हुई है। अंत में विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय कुलपति के मार्गदर्शन में आयोजित किया।

हकेंवि में कौशल संवर्धन पर की चर्चा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

विद्यार्थियों के संचार कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा समूह चर्चा की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की सराहना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने विद्यार्थियों में समग्र विकास को बढ़ावा देने, उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक कौशल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया इसमें 100 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। सहायक आचार्य डॉ. सुदीप कुमार ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी की भूमिका और पर्यावरण संरक्षण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य व डॉ. तरुण कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

महेंद्रगढ़। औद्योगिक भ्रमण के दौरान उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के विद्यार्थियों ने पाईन ट्री पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, बद्दी, हिमाचल प्रदेश का औद्योगिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने में मददगार साबित होते हैं। इस भ्रमण में पाईन ट्री पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक अमित सांगवान ने विद्यार्थियों को मुद्रण एवं पैकेजिंग की नई तकनीकों को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उपयुक्त प्लेसमेंट के लिए भी आश्वस्त किया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस औद्योगिक भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ विभाग के सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, तरुण सिंह व सुमन कुमारी भी उपस्थित रहे। विभाग के प्रभारी संदीप बूरा ने बताया कि स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह के सहयोग व मार्गदर्शन में विभाग समय-समय पर इस तरह की गतिविधियों का आयोजन विद्यार्थियों में विषय की व्यावहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से करवाता है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्लोटर मशीन, सीटीपी मशीन, कलर ऑफसेट मशीन व अन्य संबंधित मशीनों के बारे में जाना-समझा।

हकेंवि में मनाया दोहान उत्सव

महेंद्रगढ़ स्थित हकेंवि में बृहस्पतिवार को हास्य कलाकर आजाद दुहान का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -हप्र

महेंद्रगढ़, 2 नवंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा एक दिवसीय दोहान उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय में कला-संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजन में प्रमुख रूप से हरियाणवी गायक रमकेश जीवनपुरवाला, हास्य कलाकार आजाद दुहान, अभिनेता व निदेशक हरिओम कौशिक व जगदीप राही विश्वविद्यालय में अध्ययनरत अन्य प्रदेशों के विद्यार्थी इस आयोजन से हरि की धरती हरियाणा के मूल से जुड़ पाएंगे। कुलपति ने आयोजन में सम्मिलित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी का हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दीं।

आयोजन में रागनी, हरियाणा ग्रुप डांस, हरियाणवी सोलो डांस, कविता पाठ का आयोजन किया। जिनमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम

हकेवि के स्वयंसेवकों ने साहसिक शिविर में लिया हिस्सा

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पांच स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली द्वारा मैक्लोडगंज, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित इस शिविर में विश्वविद्यालय के अमरदीप, अमन, काजल, नीकिता एवं कुसुम ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वयंसेवकों को शिविर के सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियां उनके सर्वांगीण कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात कर उनके अनुभवों को जाना और कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मददगार साबित होंगे। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने चट्टानों पर चढ़ना, कृत्रिम दीवार पर चढ़ना, रैपलिंग, जुमारिंग, ट्रिउंड ट्रैकिंग, जिपलाइनिंग इत्यादि गतिविधियों में हिस्सा लिया।